जैव विविधता के संरक्षण व संवर्धन में हमारी भूमिका अहम

- लोक जैव विविधता पंजी निर्माण एवं संधारण की दी गयी विस्तृत जानकारी
- बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद व वन प्रमंडल ने किया एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि, सहरसा

कार्यशाला का उद्घाटन करते अतिथि.

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद एवं वन प्रमंडल सहरसा द्वारा जिले के ग्राम पंचायत स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्षों, सदस्यों की क्षमता विकास के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सोमवार को सुशीला उत्सव हॉल प्रांगण में किया गया. कार्यशाला में जिले के सात प्रखंड कहरा, सत्तर कटैया, नवहट्टा, सौरबाजार, सोनवर्षा, महिषी एवं पतरघट के अध्यक्ष, सदस्य सचिव, सदस्य एवं संबद्ध पंचायतों के अन्य ग्रामीण सहित कुल 84 व्यक्तियों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त निदेशक बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पटना हेमकांत राय, उप निदेशक बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद पटना मिहिर कुमार झा, वन प्रमंडल पदाधिकारी भरत चिंतपल्ली, जिला मत्स्य पदाधिकारी विद्या भूषण दत्त एवं समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं महिला सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. कार्यशाला में वनों के क्षेत्र पदाधिकारी विरेंद्र कुमार राय एवं अन्य सहकर्मी ने भी भाग लिया. कार्यशाला में जैव विविधता प्रबंधन एवं उसके संरक्षण के महत्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में मार्ग-दर्शन दिया गया. जैव विविधता रजिस्टर एवं पंचायतों में प्राकृतिक महत्व के भूखंड, वास स्थल, झील, नदी तट, नदी खंड, विलक्षण किस्म के कृषि वा बागवानी के स्थल की जानकारी व उनके संरक्षण के कार्य प्रभावी रूप से करने की जानकारी दी गयी. जिले के जैव विविधता एवं जैव विविधता संबंधी स्थानीय पहलुओं कृषि, पशुपालन, मत्स्यिकी, भौगोलिक परिस्थिति की जानकारी दी गयी. कार्यक्रम में जिले के जैव विविधता प्रबंधन समितियों के कार्य, कर्तव्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार से बताया गया. बताया गया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीव के विभिन्न रूप हम मनुष्यों के साथ सभी जीवों की आवश्यकताओं की पूर्ति हमारी जैव संपदा द्वारा ही संभव है. जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन में आम नागरिकों की भूमिका अतिआवश्यक है. इसके लिए जैव विविधता प्रबंधन समितियों को आगे आना होगा. आम जनता को जागरूक करना होगा. लोक जैव विविधता पंजी निर्माण की आवश्यकता एवं इसके संधारण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी.